30 Jul 2023, 2:21 pm
Shot on moto g62 5G

ISSN 0976-5085

# MUMUKSHU
# Journal of Humanities

## A PEER REVIEWED/REFEREED RESEARCH JOURNAL

Volume 14 No. 1

June 2022



Editor-in-Chief
**Dr. Anurag Agarwal**
Editor
**Dr. Krishna Kumar Verma**

# Mumukshu Journal of Humanities

## A PEER REVIEWED/REFEREED RESEARCH JOURNAL

**Six-monthly Bi-lingual Journal**
**of**
**S.S. (PG) College, Shahjahanpur**

Vol. 14, No. 1, June 2022
ISSN 0976-5085

**Patron**

H.H. Swami Chinmayanand Saraswati

**Advisory Board**

Dr. Alok Misra, *In-charge, Faculty of Arts*
Dr. Devendra Singh, *Reader, Faculty of Commerce*
Dr. Alok Kumar Singh, *In-charge, Faculty of Science*

**Editorial Board**

**Editor-in-Chief**

Dr. Anurag Agarwal, *Principal, S.S. (P.G.) College, Shahjahanpur*

**Editor**

Dr. Krishna Kumar Verma, *Faculty of Commerce, S.S. (P.G.) College, Shahjahanpur*

**Associates**

Dr. Meena Sharma, *Dept. of Education*
Dr. Shaleen Kumar Singh, *Dept. of English*
Dr. Gaurav Saxena, *Dept. of Commerce*

**Guest Editors**

Dr. Prabhat Shukla, *Dept. of Education*
Dr. Adarsh Pandey, *Dept. of Botany*
Dr. Sandeep Awasthi, Dept. of Computer Science
Dr. Ankit Awasthi, *Dept. of Bus. Adm.*

**Cover Design & Text Format**

Dr. Jyoti Rastogi

30 Jul 2023, 2:21 pm
Shot on moto g62 5G

# आईसीआईसीआई बैंक का बैंक ऑफ राजस्थान से विलय के पश्चात् लाभदायकता और वित्तीय स्थिति का अध्ययन

मीनाक्षी नाग* प्रो. महरूक मिर्जा**

*सारांश :* *भारत में 1991 की नई आर्थिक नीति के उपरान्त उदारीकरण द्वारा विलय एवं अर्जन की प्रक्रियाओं को एक नयी दिशा एवं गति प्रदान करी गयी तथा 1994 में नए एकीकरण नीति नियमों के द्वारा इसने व्यापार जगत को एक नई दिशा दी। विलय एवं अर्जन या अधिग्रहण को यदि साधारण भाषा में परिभाषित किया जाए, तो विलय का तात्पर्य उस विधि से है जिसमें एक कम्पनी या अन्य व्यवसाय इकाई द्वारा एक अन्य व्यापार इकाई या संगठन या कम्पनी की खरीद है। यदि दो कम्पनियाँ संगठित होकर एक नए उद्यम को जन्म देती है जो स्वतंत्र रूप से काम करता है और पिछली कम्पनियाँ स्वतंत्र नहीं होती है तब यह समेकन कहलाता है। विलय निजी व सार्वजनिक दो प्रकार का हो सकता है। इसका निजी या सार्वजनिक होना इस तथ्य पर निर्भर करता है कि विलय कम्पनी या लक्ष्य कम्पनी सार्वजनिक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध है या नहीं है।*

*अगर कम्पनी अर्जित करती है, तो कुल मिलाकर अंशधारकों को काफी लाभ होगा। अत: कम्पनी की कुल सम्पत्ति बढ़ने का मौका कुछ हद तक अधिक हो जाता है। इस प्रकार कम्पनी की कुल सम्पत्ति बढ़ जाती है तथा उससे अंशधारकों को काफी लाभ होता है।*

*ICICI बैंक की स्थापना जनवरी 1955 में एक पब्लिक लि. कम्पनी के रूप में हुई। यह भारत में निजी क्षेत्र का विकास बैंक है। इसके स्थापना में विश्व बैंक ने अहम भूमिका निभाई है। इसके लगभग 11 प्रतिशत शेयर विश्व बैंक तथा अन्य विदेशी वित्तीय संस्थानों के पास है शेष भारतीय बैंक यू.टी.आई. एस.आई.सी. आदि के पास है।*

***मुख्य शब्द :*** *आईसीआईसीआई बैंक, विलय, लाभदायकता, वित्तीय स्थिति*

## प्रस्तावना

विलय एवं अर्जन कारपोरेट रणनीति के अन्तर्गत एक महत्त्वपूर्ण नीति है। जिसमें कोई भी कम्पनी उद्योग या संगठन अपनी स्थिति को सुदृढ़ करने के साथ-साथ अपने प्रतियोगियों से आकर बढ़कर व्यापार जगत में अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकता है। यह औद्योगिक पुर्नसंरचना की एक सबसे कम मूल्य वाली विधि है जिसमें संगठन अल्प दरों पर अपनी पुनर्संरचना करके पुन: संरचना करके पुन: अपनी स्थिति को सुदृढ़ कर सकता है।

भारत में 1991 की नई आर्थिक नीति के उपरान्त उदारीकरण द्वारा विलय एवं अर्जन की प्रक्रियाओं को एक नयी दिशा एवं गति प्रदान करी गयी तथा 1994 में नए एकीकरण नीति नियमों के द्वारा इसने व्यापार जगत को एक नई दिशा दी। विलय एवं अर्जन या अधिग्रहण को यदि साधारण भाषा में परिभाषित किया जाए तो विलय का तात्पर्य उस विधि से है जिसमें एक कम्पनी या अन्य व्यवसाय इकाई द्वारा एक अन्य व्यापार इकाई या संगठन या कम्पनी की खरीद है। यदि दो कम्पनियाँ संगठित होकर एक नए उद्यम को जन्म देती है जो स्वतंत्र रूप से काम करात है और पिछली कम्पनियाँ स्वतंत्र नहीं होती है तब यह समेकन कहलाता है। विलय निजी व सार्वजनिक दो प्रकार का हो सकता है। इसका निजी या सार्वजनिक होना इस तथ्य पर निर्भर करता है कि विलय कम्पनी या लक्ष्य कम्पनी सार्वजनिक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध है या नहीं है।

## विलय एवं अर्जन के उद्देश्य

1. विलय एवं अर्जनों के पश्चात् कम्पनी दोहरे खर्च को कम करके अपनी निर्धारित लागत को कम कर सकती है।

* शोधार्थी, वाणिज्य विभाग, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

** प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

30 Jul 2023, 2:22 pm
Shot on moto g62 5G

MUMUKSHU JOURNAL OF HUMANITIES
PEER REVIEWED/REFEREED JOURNAL VOL. 14, NO. 1, JUNE 2022, ISSN 0976-5085

2. विलय एवं अर्जन के पश्चात् नयी सृजित कम्पनी को उपरोक्त सभी अवसर प्राप्त होते हैं सिसे उसके सम्पूर्ण दायरे का विकास होता है।
3. विलय एवं अर्जन के द्वारा खरीददार अपने ही एक प्रतियोगी में विलीन होने से अप्रत्यक्ष रूप से बाजार में अपनी हिस्सेदारी के एक बड़े भाग को सुनिश्चित करता है।
4. विलय एवं अर्जन द्वारा एक बेहतर प्रबन्धन क्षमता हासिल करी जा सकती है, क्योंकि नई व्यावसायिक इकाई के सृजन के बाद दो या अधिक इकाइयों के विलय के बाद कार्यकुशल प्रबन्ध तंत्र आवश्यक होता है जो वृहद् अवसरों को उपयोग में ले सके।
5. विलय एवं अर्जन कराधान में सहायक होते हैं इनमें बहुत सी योजनाओं के अन्तर्गत वितेय सहायता एवं कर राहत मिलती है।

## साहित्य की समीक्षा

1. भरत के. ए. (2020) के शोध अध्ययन के अनुसार स्टेट बैंक के द्वारा सहयोगी बैंकों के नुकसान की भरपाई करने एवं बैंक की पूँजी बढ़ाने के लिए विलय किया कया था जो कि लाभप्रद रहा है। जमाकर्ताओं एवं निवेशकों को अच्छा ब्याज एवं रिटर्न मिल रहा है और ग्राहकों को प्रदान किए जाने वाले ऋणों पर ब्याज दरों की कमी होने से ग्राहकों की संख्याओं में भी वृहद् हो रही है।
2. डॉ. उमा माहेश्वरी (2020) के अनुसार भारतीय बैंकिंग के विस्तार के लिए विलय एक उपयोगी उपकरण है। यह कमजोर बैंकों को बेहतर प्रदर्शन करने वाले बैंक का हिस्सा बनने में मदद करता है। यह एक ओर बैंकों को आर्थिक स्थिरता प्रदान करने में मदद करता है। वहीं दूसरी ओंर बैंकों के वित्तीय प्रदर्शनों में भी वृद्धि है।
3. श्री घनश्यामचन्द यादव (2020) ने अपने शोध अध्ययन के निष्कर्ष में यह पाया कि विलय के अन्तर्गत निष्पादन क्षमता की जाँच मं ऋण इंक्विल अनुात गैर निष्पादनीय सम्पत्ति से विलय अग्रिम अनुपात सम्पत्ति कारोबार अनुपात समता पर प्रत्यय की जाँच के लिये भी माध्य का घटता प्रतिमान पाया जाता है।

## अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध के उद्देश्य निम्न प्रकार हैं :

1. आंतरिक विकास या विविधिकरण, व आर्थिक स्थिति एवं लाभप्रदता का विश्लेषण।
2. अधिकाधिक ग्राहकों तक पहुँच व उनकी सेवाओं में सुधार का अध्ययन।
3. औद्योगिकीय एवं प्रबन्धकीय कौशल का विकास, वैश्विक बाजार में उज्ज्वल भविष्य की बढ़ती संभावनाएं।
4. अंश बाजारों पर पड़ने वाले प्रभाव।

## आँकड़ों का संग्रहण

प्रस्तुत शोध अध्ययन द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है। हालांकि द्वितीयक आँकड़े प्रकाशित अथवा अप्रकाशित हो सकते हैं। लेकिन यह अध्ययन विशुद्ध रूप से प्रकाशित आँकड़ों पर आधारित है। प्रकाशित आँकड़ों और जानकारी को विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त किया गया है।

1. ICiCI बैंक और बैंक ऑफ राजस्थान की वार्षिक रिपोर्ट
2. पुस्तकें—संदर्भ एवं सम्पादित
3. शोध प्रबन्ध
4. बैंकिंग पत्रिकाओं
5. स्टॉक एक्सचेंज एवं अन्य संघों पर प्रकाशित पत्रिकाएं
6. वेबसाइट आदि

## विश्लेषण तकनीकें

आँकड़ों को एकत्र करने के पश्चात् सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य आँकड़ों का विश्लेषण है। चूँकि प्रस्तुत शोध में द्वितीयक आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। इसलिए आँकड़ों को सारणीयन आसानी से करने में मदद मिली। आँकड़ों के विश्लेषण के लिए शोधकर्ता का निर्णय एवं कौशल एक महत्त्वपूर्ण तत्व है। विलय के पश्चात् बैंकों की लाभदायकता एवं वित्तीय स्थिति का पता लगाने के लिए अनुपात विश्लेषण एवं प्रवृत्ति विश्लेषण महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस शोध में प्रबन्धकीय रीतियों के अन्तर्गत अनुपात एवं प्रवृत्ति विश्लेषण को गणितीय रीतियों के अन्तर्गत प्रतिशत विधि का प्रयोग तथा सांख्यिकीय रीतियों के अन्तर्गत माध्य (औसत) का प्रयोग किया गया है।

30 Jul 2023, 2:22 pm
Shot on moto g62 5G

30 Jul 2023, 2:22 pm

## विलय और अर्जन से बैंकों पर प्रभाव

- **बैंकों के कर्मचारियों पर प्रभाव**— विलय और अर्जन कम्पनी के कर्मचारियों पर गहरा प्रभाव डालता है, क्योंकि विलय और अर्जन के माध्यम से कम्पनी में संगठनात्मक बदलाव होते हैं। जिसके कारण अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर अर्जन व्यापार के अनुसार होता है, तो उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता इसके विपरीत यदि कम्पनी में बदलाव उनके विपरीत होता है तो उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है जिसके कारण कई बार कर्मचारी छोड़कर दूसरे कम्पनियों मेंचले जाते हैं। विलय और अर्जन के बाद कम्पनी अतिरिक्त तथा कम आवश्यक कर्मचारियों को हटा देती है, क्योंकि प्रत्येक कम्पनी का उद्देश्य कम लागत पर अधिक लाभ कमाने का होता है।

- **बैंकों के प्रबन्धन पर प्रभाव**— जब भी कोई बैंक विलय और अर्जन करता है, तो एक कम्पनी का व्यवहार दूसरी कम्पनी के व्यवहार से अलग होात है, जिससे सामंजस्य की समस्या पैदा होती है। भारतीय निजी क्षेत्रों के बैंकों के पास भौतिक रूप से सम्पत्ति का अभाव नहीं रहा है, उनके पास पैसा तथा काम अधिक मात्रा में रहा है। अत: वह कुशल प्रबन्धकों को पुन: काम करने की अनुमति देते हैं तथा अकुशल प्रबन्धकों को बाहर निकाल देते हैं।

- **बैंकों के अंशधारकों पर प्रभाव**— अगर कम्पनी अर्जित करती है तो कुल मिलाकर अंशधारकों को काफी लाभ होगा। अत: कम्पनी की कुल सम्पत्ति बढ़ने कामौका कुछ हद तक अधिक हो जाता है। इस प्रकार कम्पनी की कुल सम्पत्ति बढ़ जाती है तथा उससे अंश धारकों को काफी लाभ होता है।

- **बैंकों को विलय से लाभ**— एक मिश्रित अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में समान महत्व रखते हैं। संगठित क्षेत्र में निजी बैंकिंग क्षेत्र का महत्व और अधिक हो जाता है, क्योंकि इसमें औद्योगिक इकाइयों की स्थापना विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए बड़ी मात्रा में वित्तीय साधनों की आवश्यकता होती है।

- **अंशधारकों के हिसाब से**— कम्पनी के कुल निवेश अंशधारकों के द्वारा बनते हैं और अंशधारकों के निवेश से कम्पनी की कीमत तथा अहमियत बढ़ती है। एक कम्पनी के अंशधारक जब अपने अंश दूसरी कम्पनी के अंशधारकों को बेचते हैं तो निवेश के अवसर भी उत्पन्न होते हैं।

अंशधारक जब अच्छा पैसा कमाते हैं तभी कम्पनी का विलय होता है और उसके आधार पर हम विभिन्न प्रकार से पैसा कमाते हैं।

## परिचय : ICICi बैंक

ICICI बैंक की स्थापना जनवरी 1955 में एक पब्लिक लि. कम्पनी के रूप में हुई। यह भारत में निजी क्षेत्र का विकास बैंक है। इसके स्थापना में विश्व बैंक ने अहम भूमिका निभाई है। इसके लगभग 11 प्रतिशत शेयर विश्व बैंक तथा अन्य विदेशी वित्तीय संस्थानों के पास है शेष भारतीय बैंक यू.टी.आई. एस.आई.सी. आदि के पास है।

ICICI बैंक लि. (NSE, ICICI Bank, BSE : 532174, BYSE : NBY) Industrial Credit and invesgtment corporation of India सम्पत्ति के आधार पर भारत का दूसरा सबसे बड़ा तथा बाजार पूँजीकरण के आधार पर तीसरा सबसे बड़ा बैंक है। ICICI बैंक का मुख्यालय मुम्बई महाराष्ट्र में है। ICICI बैंक का व्यापार भारत सहित 19 देशों में फैला हुआ है। ICICI बैंक यूनाइटेड किंगडम, रूस तथा कनाडा में सहायक संस्थाओं, यूनाइटेड स्टेट सिंगापुर, बहरीन, हांगकांग, श्रीलंका, कतर और दुबई में अपनी शाखाएं स्थापित कर चुका है साथ ही संयुक्त अरब अमीरात, जाजार अफ्रीका, बांग्लादेश, थाईलैण्ड और इण्डोनेशिया में अन्तर्राष्ट्रीय वित्त केन्द्र स्थापित कर चुका है। ICICI बैंक भारत के चार दर्द बैंकों स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक तथा बैंक ऑफ बड़ौदा में से एक है।

**Mergers by ICICI Bank Ltd. in India**

| Sr. No. | Mergers by ICICi Bank Ltd. in India | Years of Mergers |
|---|---|---|
| 1. | SCICI | 1996 |
| 2. | ITC Classic Finance Ltd. | 1997 |
| 3. | Anagram Finance | 1998 |
| 4. | Bank of Madurai Ltd. | 2001 |
| 5. | ICICI Personal Financial Service Ltd. | 2002 |
| 6. | ICICI Capital Services Ltd. | 2002 |
| 7. | Standard Chartered Grind lays Bank | 2002 |
| 8. | Sangli Bank Ltd. | 2007 |
| 9. | The Bak of Rajasthan Ltd. BOR) | 2010 |

**Source :** Goyal K.A. and Joshi V. (2011) Mergers in banking Industry of India. Some emerging issues Asian Journal of Business and Management Science 1 (2) 157-165.

Shot on moto g62 5G

MUMUKSHU JOURNAL OF HUMANITIES
PEER REVIEWED/REFEREED JOURNAL VOL. 14, NO. 1, JUNE 2022, ISSN 0976-5085
30 Jul 2023, 2:22 pm

## Analysis and Interpretation

### Table No. 1

### Net Profit (before tax) ratio (before Merger)

| Year | Net Porfit before Tax (in lakhs) | Net Revenue from Operation | Net Profit before Tax Ratio |
|---|---|---|---|
| 2005 | 20052·10 | 94098·94 | 21·31 |
| 2006 | 2540·75 | 137844·96 | 18·43 |
| 2007 | 31102·20 | 219955·88 | 14·14 |
| 2008 | 41577·28 | 307883·43 | 13·50 |
| 2009 | 37581·33 | 310925·48 | 12·09 |
| 2010 | 40249·83 | 257069·33 | 15·66 |
| **Average** | | | **15·85** |

**Source :** Annual Reports of ICICI Bank (2005-2010)

तालिका संख्या-1 में आईसीआईसीआई बैंक का बैंक ऑफ राजस्थान से विलय से पूर्व शुद्ध लाभ (कर पूर्व अनुपात को दर्शाती है। तालिका के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि विलय के पूर्व के 6 वर्षों में कर पूर्व शुद्ध लाभ अनुपातमें गिरावट आई है। वर्ष 2005 में यह 21·31% था, जो कि 2006 में 18·43% रह गया। पुन: 2007, 2008, 2009 में यह अनुपात गिरकर 14·14%, 15·15% और 12·09% रह गया। विलय के वर्ष 2010 में इसमें वृद्धि हुई। इस वर्ष यह 15·66% हो गया। 2005 से 2010 तक के वर्षों का औसत कर पूर्व शुद्ध लाभ अनुपात 15·85 था।

### Table No. 2

### Net Profit before tax ratio (After Merger)

| Year | Net Porfit before Tax (in lakhs) | Net Revenue from Operation | Net Profit before Tax Ratio |
|---|---|---|---|
| 2011 | 51513·76 | 259740·53 | 19·83 |
| 2012 | 64652·57 | 335426·53 | 19·27 |
| 2013 | 83254·73 | 400755·97 | 20·77 |
| 2014 | 98104·77 | 441781·53 | 22·21 |
| 2015 | 111753·55 | 490911·40 | 22·76 |
| 2016 | 97262·87 | 527394·35 | 18·44 |
| 2017 | 98010·90 | 541562·80 | 18·10 |
| 2018 | 67774·22 | 54658·92 | 12·33 |
| 2019 | 33633·01 | 634011·93 | 5·30 |
| 2020 | 79308·12 | 74983·17 | 10·60 |
| **Average** | | | **10·96** |

**Source :** Annual Reports of ICICI Bank (2011-20)

तालिका संख्या 02 आईसीआईसीआई बैंक का बैंक ऑफ राजस्थान से विलय के पश्चात् कर पूर्व शुद्ध लाभ अनुपात को प्रदर्शित करती है। तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि विलय के पश्चात् प्रथम 5 वर्षों में (2011-2015) कर पूर्व शुद्ध लाभ अनुपात में लगातार वृद्धि हुई है। किन्तु 2015 के पश्चात् इसमें गिरावट आई है। वर्ष 2011 में अनुपात 19·83% था। जिसमें 2012 में मामूली गिरावट आई। इस वर्ष यह अनुपात 19·27% रह गया। किन्तु वर्ष 2013 में इसमें वृद्धि हुई। इस वर्ष यह अनुपात 20·77% हो गया। पुन: 2014 और 2015 में इसमें वृद्धि आई। इस वर्षों में यह अनुपात क्रमश: 22·21% और 22·76% हो गया। किन्तु 2016 में इसमें लगातार गिरावट आई। 2016 में यह अनुपात घटकर 18·49% रह गया। वर्ष 2017 में इसमें नाममात्र की गिरावट आई। इस वर्ष यह अनुपात 18·10% रह गया। पुन: 2018 और 2019 में इसमें अत्यधिक गिरावट दर्ज की गई। इन वर्षों में यह अनुपात क्रमश: 12·33% और 5·30% रह गया। वर्ष 2020 में इसमें वृद्धि आई। इस वर्ष यह अनुपात 10·60% हो गया। 2011 से 2020 के वर्षों का औसत अनुपात 16·96% रहा। इसका मुख्य कारण शुद्ध लाभ का संचालन से आय के सापेक्ष परिवर्तन होना है।

### Table No. 3

### Return on Capital Employed (Before Merger)

| Year | Net Porfit before Tax | Capital Employed | Net Profit before Tax Ratio |
|---|---|---|---|
| 2005 | 20052·01 | 1462632·45 | 1·37 |
| 2006 | 25400·75 | 2261610·77 | 1·12 |
| 2007 | 31102·20 | 3365294·77 | 1·01 |
| 2008 | 41577·28 | 3569005·02 | 1·16 |
| 2009 | 37581·33 | 3610372·98 | 1·04 |
| 2010 | 40249·83 | 3478985·32 | 1·16 |
| **Average** | | | **1·15** |

**Source :** Annual Reports of ICICI Bank (2005-2010)

तालिका के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2005 से 2010 के मध्य बैंक की विनियोजित पूँजी पर प्रतयाय में उतार-चढ़ाव की स्थिति रही, इस अवधि में न्यूनतम अनुपात 1·01 और अधिकतम 1·37 तथा औसत अनुपात 1·15।

Shot on moto g62 5G

30 Jul 2023, 2:23 pm

**Table No. 4**

**Return on Capital Employed (After Merger)**

| Year | Net Porfit before Tax | Capital Employed | Net Profit before Tax Ratio |
|---|---|---|---|
| 2011 | 51513·76 | 3923714·65 | 1·31 |
| 2012 | 64652·57 | 4243219·30 | 1·52 |
| 2013 | 83254·73 | 5046610·79 | 1·64 |
| 2014 | 98104·77 | 5598860·39 | 1·75 |
| 2015 | 111753·55 | 6144094·35 | 1·82 |
| 2016 | 97262·87 | 6859686·70 | 1·41 |
| 2017 | 9801·90 | 7675462·87 | 1·32 |
| 2018 | 67774·22 | 8489927·66 | 0·80 |
| 2019 | 33633·01 | 9266076·87 | 0·36 |
| 2020 | 7938·12 | 10503701·62 | 0·76 |
| **Average** | | | **1·27** |

**Source :** Annual Reports of ICICI Bank (2011-2020)

तालिका के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि आईसीआईसआई बैंक का बैंक ऑफ राजस्थान के साथ विलय के पश्चात् विनियोजित पूँजी पर प्रत्याय में 2015 तक लगातार वृद्धि हुई। तत्पश्चात् इसमें गिरावट आई। वर्ष 2011 से 2020 के मध्य न्यूनतम अनुपात 0·36 तथा अधिकतम 1·82 रहा। उक्त अवधि में औसत अनुपात 1·27।

**Table No. 5**

**Earnings Per Share of ICICI (Before Merger)**

| Year | Earning Per Share | Change | Percentage |
|---|---|---|---|
| 2005 | 27·55 | — | — |
| 2006 | 32·49 | 4·94 | 17·93 |
| 2007 | 34·84 | 2·35 | 7·23 |
| 2008 | 39·39 | 4·55 | 13·06 |
| 2009 | 33·76 | – 5·63 | (14·29) |
| 2010 | 36·14 | 2·38 | 7·05 |
| **Average** | | | **6·20** |

**Source :** Annual Reports of ICICI Bank (2005-2010)

तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि विलय से पूर्व बैंक की प्रति अंश आय में काफी उतार-चढ़ाव की स्थिति रही। 2005 से 2010 के मध्य न्यूनतम प्रति अंश आय 14·29% तथा अधिकतम 17·93% रही। इस अवधि का औसत अनुपात 6·20।

**Table No. 6**

**Earning Per Share of ICICI (After Merger)**

| Year | Earning Per Share | Change | Percentage |
|---|---|---|---|
| 2011 | 8·23 | — | — |
| 2012 | 10·20 | 1·97 | 23·94 |
| 2013 | 13·13 | 2·93 | 28·73 |
| 2014 | 15·45 | 2·32 | 17·67 |
| 2015 | 17·55 | 2·1 | 13·59 |
| 2016 | 15·23 | – 2·32 | – 13·22 |
| 2017 | 15·31 | 0·08 | 14·14 |
| 2018 | 10·56 | – 4·75 | 12·18 |
| 2019 | 5·23 | – 5·33 | 8·87 |
| 2020 | 12·28 | 7·05 | 7·11 |
| **Average** | | | **12·56** |

**Source :** Annual Reports of ICICI Bank (2011-2020)

तालिका के अवलोकतन से स्पष्ट होता है कि विलय के पश्चात् प्रथम 5 वर्षों में बैंककी प्रति आय में निरन्तर वृद्धि आयी किन्तु इसके पश्चात् इसमें गिरावट आई। वर्ष 2011 से 2020 के मध्य न्यूनतम प्रतिवर्ष आय 5·23 और अधिकतम 17·55 रु. तथा औसत आय 12·58 रु.।

**Table No. 7**

**Current Ratio of ICICI (Before Merger)**

| Year | Current Assets | Current Liabilities | Current Ratio |
|---|---|---|---|
| 2005 | 217298·65 | 213961·61 | 1·02 |
| 2006 | 296977·39 | 252278·78 | 1·18 |
| 2007 | 536112·48 | 382286·36 | 1·40 |
| 2008 | 588358·05 | 428953·83 | 1·37 |
| 2009 | 541301·84 | 182646·64 | 2·96 |
| 2010 | 580886·28 | 155011·83 | 3·75 |
| **Average** | | | **1·95** |

**Source :** Annual Reports of ICICI Bank (2005-2011)

तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि विलय में पूर्व के दो वर्षों को छोड़कर बैंक का 2005 से 2010 के मध्य औसत अनुपात 1·95 रहा जोकि सन्तोषजनक है।

Shot on moto g62 5G

MUMUKSHU JOURNAL OF HUMANITIES
PEER REVIEWED/REFEREED JOURNAL VOL. 14, NO. 1, JUNE 2022, ISSN 0976-5085

**Table No. 8**

**Current Ratio of ICICI (After Merger)**

| Year | Current Assets | Current Liabilities | Current Ratio |
|---|---|---|---|
| 2011 | 504375·49 | 159863·47 | 30·16 |
| 2012 | 557447·03 | 175769·85 | 3·16 |
| 2013 | 705045·88 | 321336·02 | 2·19 |
| 2014 | 742389·82 | 347555·45 | 2·14 |
| 2015 | 957524·81 | 317198·57 | 3·02 |
| 2016 | 1174424·46 | 347264·35 | 3·38 |
| 2017 | 1382477·09 | 342451·59 | 4·04 |
| 2018 | 1558961·80 | 391953·96 | 3·98 |
| 2019 | 1621484·56 | 378514·61 | 4·28 |
| 2020 | 4951334·14 | 479949·88 | 4·07 |
| **Average** | | | **3·34** |

**Source :** Annual Reports of ICICI Bank (2011-2020)

तालिका संख्या 08 आई.सी.आई.सी.आई. बैंक का बैंक ऑफ राजस्थान से विलय के पश्चात् के चालू अनुपात को प्रदर्शित करती है। तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि विलय के पश्चात् बैंक का चालू अनुपात सदैव सन्तोषजनक रहा 2011 से 2020 के मध्य न्यूनतम अनुपात वर्ष 2014 में 2·14 रहा जबकि अधिकतम अनुपात 2019 में 4·28 रहा। इस अवधि में औसत अनुपात 3·34 रहा।

**Table No. 9**

**Dent-Equity Ratio of ICICI (Before Merger)**

| Year | Debt | Equity | Ratio |
|---|---|---|---|
| 2005 | 335444·960 | 128999·71 | 2·60 |
| 2006 | 385219·136 | 225559·92 | 1·71 |
| 2007 | 512560·263 | 246632·64 | 2·08 |
| 2008 | 656484·338 | 468202·10 | 1·40 |
| 2009 | 931564·542 | 495330·19 | 1·88 |
| 2010 | 942636·636 | 516183·66 | 1·83 |
| **Average** | | | **1·92** |

**Source : Annual Reports of ICICI Bank (2005-2010)**

तालिका के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि विलय के पूर्व बैंक के ऋण समता अनुपात में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही। 2005 से 2010 के मध्य न्यूनतम अनुपात 1·040 और अधिकतम अनुपात 2·60 रहा। इस अवधि का औसत अनुपात 1·92 रहा।

**Table No. 10**

**Dent-Equity Ratio of ICICI (After Merger)**

| Year | Debt | Equity | Ratio |
|---|---|---|---|
| 2011 | 1095542·77 | 550909·18 | 1·99 |
| 2012 | 1401649·08 | 604052·43 | 2·32 |
| 2013 | 1453414·94 | 667059·59 | 2·18 |
| 2014 | 1547590·54 | 732133·28 | 2·11 |
| 2015 | 1724173·50 | 804293·55 | 2·14 |
| 2016 | 1748073·52 | 897355·83 | 1·95 |
| 2017 | 1475561·52 | 999510·70 | 1·48 |
| 2018 | 1828586·21 | 1051589·36 | 1·74 |
| 2019 | 1653199·74 | 1083680·42 | 1·53 |
| 2020 | 1628967·60 | 1165044·07 | 1·40 |
| **Average** | | | **1·88** |

**Source :** Annual Reports of ICICI Bank (2011-2020)

तालिका के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि विलय के पश्चात् बैंक के ऋण समता अनुपात में काफी उतार-चढ़ाव रहा। 2011-2020 के मध्य न्यूनतम अनुपात 1·40 और अधिकतम अनुपात 2·32 रहा। इस अवधि का औसत अनुपात 1·88 रहा।

**Table No. 11**

**Solvency Ratio of ICICI (Before Merger)**

| Year | Current Assets | Current Liabilities | Current Ratio |
|---|---|---|---|
| 2005 | 1676594·06 | 1547594·34 | 1·08 |
| 2006 | 2513889·54 | 2288329·63 | 1·10 |
| 2007 | 3446581·13 | 3200948·49 | 1·08 |
| 2008 | 3997950·76 | 3529756·75 | 1·13 |
| 2009 | 3793009·63 | 3297389·43 | 1·15 |
| 2010 | 3633997·15 | 3117813·50 | 1·17 |
| **Average** | | | **1·12** |

**Source :** Annual Reports of ICICI Bank (2005-2011)

तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि विलय में पूर्व के दो वर्षों में आई.सी.आई.सी.आई. बैंक का शोधन क्षमता अनुपात प्रतिवर्ष वृद्धि को दर्शाता है। वर्ष 2005 से 2010 के मध्य औसत अनुपात 1·08 तथा अधिकतम 1·17 था। इस अवधि का औसत क्षमता अनुपात 1·12 रहा।

30 Jul 2023, 2:23 pm
Shot on moto g62 5G

## निष्कर्ष

अन्त में निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि विलय के पश्चात् अधिग्रहण करने वाले बैंकों क पूँजी पर्याप्त और समाप्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। लेकिन प्रबन्धन दक्षता और कमाई की गुणवत्ता बैंक के लिए बढ़ी हुई आय उत्पन्न करने में सम्पत्ति का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए बैंक की क्षमता को प्रतिबंधित करने में विफल रही है। इस प्रकार ICICI बैंक का बैंक ऑफ राजस्थान के विलय के पश्चात् लाभ प्रदता एवं वित्तीय स्थिति पूर्व की भाँति उतार-चढ़ाव वाली रही है अर्थात् यह किसी भी प्रकार के बदलाव का संकेत नहीं देती है, किन्तु ICICI बैंक निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा एवं सुदृण बैंक होने के कारण विलय के पश्चात् के अपने दायित्त्वों का निर्वहन करने में सक्षम है।

## सुझाव

अध्ययन के पश्चात् प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर निम्न सुझाव दिए जा सकते हैं :

1. रिजर्व बैंक द्वारा बैंक को विलय और अधिग्रहण से सम्बन्धित जागरूकता पैदा करनी चाहिए साथ ही कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं पुनर्प्रशिक्षण तेज करना चाहिए।
2. विलय पूर्व और विलय के पश्चात् तरलता पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।
3. छोटे बैंक की गैर-निष्पादित अस्तियाँ बड़े बैंक के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसलिए बड़े बैंकों को छोटे बैंक की वित्तीय स्थिति का विश्लेषण करना चाहिए।
4. विदेशी बैंकों के साथ प्रतिस्पर्द्धा करने और वैश्विक वित्तीय संस्थानों मे प्रवेश करने के लिए बड़े और मजबूत बैंकों के साथ विलय किया जाना चाहिए।
5. ICICI बैंक को अपने जमाकर्ताओं के विश्वास को बनाए रखने और अपनी वित्तीय प्रणाली की स्थिरता और दक्षता को बढ़ावा देने के लिए अपने पूँजी पर्याप्तता अनुपात को बढ़ाना चाहिए।
6. ICICI बैंक को अपनी सम्पत्ति के प्रबन्धन को उचित महत्व देना चाहिए, क्योंकि सम्पत्ति की गुणवत्ता वित्तीय ताकत की डिग्री को मापने के लिए एक महत्त्वपूर्ण पैरामीटर है।

## सन्दर्भ ग्रन्थ सूची


- **Bharath K.A. (2020),** an analysis on pre and post merger of State Bank of India & its associates Banks, international journal of creative research thought, ISSN : 232-2882 Volume 8, Issue 2, Page 1613-1622.
- **Dr. Umamaheswari S. (2020),** Evaluating the pre and post merger impact of financial performance of Bank of Baroda and Kotak Mahindra Bank international journal of creative research thought, ISSN : 2320-2882, Volume 8, Issue 11, Page 678-684.
- **Mr. Ghayshyam Chand Yadav & Dr. Manish Kumar (2020),** Mergers & Acquisiitons in Indian Banking Sector during Pre andPost Global Financial Crss : An Empirical Analysis, Pacific Business Review International, Volume 13 issue 2, Page 72-85.
- **Dr. Anjali Sharma,** The mega merger 2020 : An empirical study, International Journal of Advanced Research in Commerce, Management & Social Science (IJARCMSS), ISSN : 2581-7930, CIF : 2·965, Volume 03, No. 01, January-Marcvh, 2020, Page 175-180.
- **Patil Jaya Lakshmi Reddy, Mahesh Chandra,** Mergers of Banks in Economy—Indian Scenario, International Journal of Recent Technology and Engineering (IJRTE) ISSN : 2277-3878, Volume-8 Issue-6, March 2020, Page 1-5.
- **Dr. O.C. Aloysius,** State Bank ofIndia : A post-merger efficiency analysis, Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (JETIR), December 2020, Volume 7, Issue 12, Page 95-103.
- **Nikhil Vijay Shirsat,** Impact of bank merger on retail customer, shareholders and employees : a studfy of merger of Dena Bank and Vijaya Bank with Bank of Baroda from a furturistic perspective IIBM's Journal of Management Research ISSN : 2395-5147 Vol.


30 Jul 2023, 2:23 pm
Shot on moto g62 5G

4 : Issue 1 & 2 : January-December 2019 Page 36-46.

- **Ishwarya J,** A Study on Mergers and Acquisition of Bank and a Case Study on SBI and its Associates, Conference Proceeding Published in International Journal of Trend in Research and Development (IJTRD), ISSN : 2394-9333, September 2019, Page 22-26.
- **Praveen S. Kambar,** A study on the consolidation and meger of Public Sector Banks (PSB) in India : ssue and challenges, International Journal of Social Science and Economic Research ISSN : 2455-8834 Volume : 06 June 2019, Page 4326-4334.
- **Yasmeen Bano and Dr. S. Vasantha,** Financial Performance of Before and After Merger of ICIC Bank Internatonal Journal of Research in Engineering, IT and Social Sciences, ISSN 2250-0588, Impact Factor : 6,565, Volume 08 Issue 11, November 2018, Page 79-83.
- **Adama Fatty,** A study on mergers and acquisitions in Indian services industry with special reference to banking An International Peer-Reviewed ISSN : 2581-5830, companies Volume : IU, Issue : 2, 2018, Page 164-175.
- **Gopal Chandra Mondal,** Influence of Merger on Performance of Indian Banks : A Case Stucy, International Journal of African and Asian Studies ISSN 2409-6938, Vol. 25 2016 Page 54-65.
- **Devarajappa S.,** Mergers in India Banks : A study on mergers of HDFC bank Ltd. and Centurion Bank of Punjab Ltd. International Journal of Marketing, Financial Services & Management Research, ISSN : 22773622 Vol. 1 Issue 9, September 2012 Page 33-42
- **Dr. Smita Meena, Dr. Pushpender Kumar,** Mergers and acquisitions Prospects : Indian Bank Study, International Journal of Recent Research in Commerce Economics and Management, ISSN : 2349-7807, Vol. 1, Issue 3, : October-December 2014, Page 10-17.
- **Sony Kurakose, *MS Senam Raju and ** GS Gireesh Kumar,** ICICI Bank-Bank of Rajasthan Merger : An analysis of strategic Features and Valuation, 2014, https:/papers.ssrn.com/sol13/papers.cfm?abstract-id=2114332.
- **Dr. Veena K.Pl, Prof. S.N. Patti,** Preand Post Merger Performance through CAMEL Rating Approach : A Case Study of ICICI Bank ltd. International Journal of Engineering and Management Research, ISSN Print : 0976-6502 Volume-7, Issue-4, July-August 2017, Page : 84-92.
- **Achini Ambika,** A Study on Merger of ICICI Bank and Bank of Rajasthan, SUMEDHA Journal of Management, Vol. 4, No. 3, July-Sep. 215 mrcetmba.in/SUMEDHA_ADMIN/Journal-attachment/1548217519_2054946626.
- **Jai Bansal, Dr.Gurudatt Kakkar,** A research onthe analysis of merger of SBI with its 5 associate banks and Bhartiya Mahila Bank cma, International Journal of Science Technology and management Vol. No. 7 Issue No. 12 December 2018.
- **K. Kannam :** Mergers are Strategic Imparative for the Banks' Survival, Business Today, April 7th 1998, Page 71-72.
- **Ms. Damanpreet Kaur, Dr. Sukhdev Sigh,** Bank Merger Motivations and Post Merger Productivity, IOSR Journal of Business and management (IOSR-JBM) e-ISSN : 2278-48X,p-ISSN : 2319-7668. Volume 18, Issue 7. Ver. 1, July 2016, Page 01-11.

30 Jul 2023, 2:23 pm
Shot on moto g62 5G